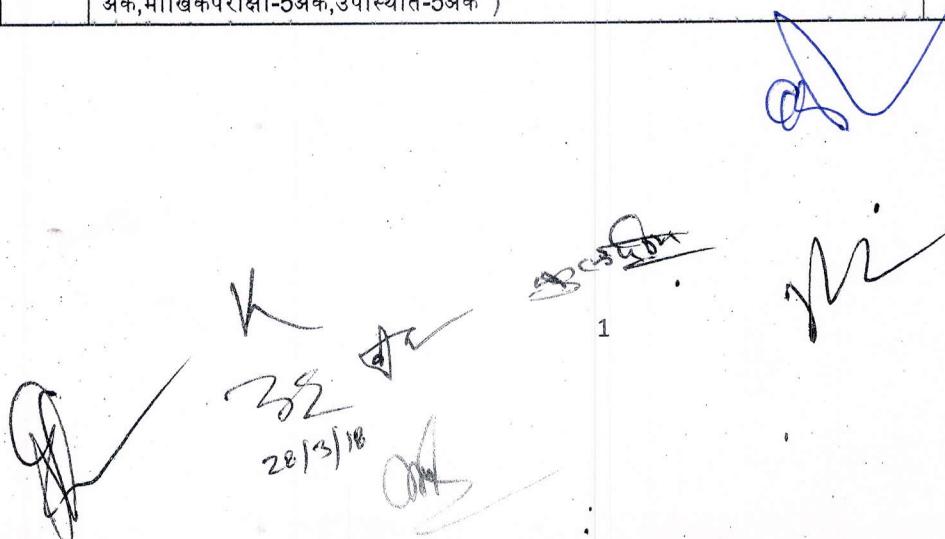
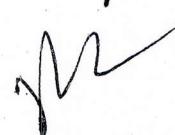


जैन विद्या प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम 2018

प्रथम पत्र जैन इतिहास, साहित्य और संस्कृति

प्रथमपत्रम्		Code -960	
इकाई	विषय: जैन इतिहास, साहित्य और संस्कृति	अंक: $80+20 =100$	क्रेडिट(5+1=6)
1.	<ul style="list-style-type: none"> जैनधर्म की प्राचीनता, मोहन जोदडो, हडप्पा में जैन संस्कृति जैन धर्म का प्रारौतिहासिक काल (तीर्थकर कृष्णभद्रे देव से तीर्थकर अरिष्टनेमि तक) जैनधर्म की ऐतिहासिकता (तीर्थकरपार्श्वनाथ और तीर्थकर महावीर) प्रमुख जैन शिलालेख परिचय - हाथीगुम्फा, गिरनार 	16	1
2.	<ul style="list-style-type: none"> भगवान् महावीर के पश्चात् जैन धर्म, गणधर, आचार्य परंपरा जैन सम्प्रदाय (दिगम्बर, श्वेताम्बर), उपसंप्रदाय, संघभेद जैन शिक्षा के प्रमुख केंद्र - श्रवणबेलगोला, वाराणसी, जयपुर, लाडूँ, अहमदाबाद, वैशाली, दिल्ली आदि 	16	1
3.	<ul style="list-style-type: none"> जैन संस्कृति के प्रमुख लक्षण और विशेषताएं जैनधर्म का सामाजिक स्वरूप जैन उपासना पद्धति जैन प्राकृत आगम परंपरा 	16	1
4.	<ul style="list-style-type: none"> प्रमुख जैन पर्व और तीर्थ जैन कला और पुरातत्व (चित्रकला, मूर्तिकला और स्थापत्य कला) प्रमुख जैन सम्प्राट प्रमुख जैन विद्वान् तथा स्वतंत्रता सेनानी 	16	1
5.	प्रायोगिक - जैन शैक्षणिक, पुरातात्त्विक, कलात्मक, एतिहासिक, तीर्थ स्थलों का शैक्षणिक भ्रमण तथा भक्तामारस्तोत्र, महावीराष्ट्र, णमोकारमंत्र का शुद्ध उच्चारण अभ्यास	16	1
6.	आंतरिकमूल्यांकनम् - (प्राकृतगाथा-संस्कृतश्लोकोच्चारण अभ्यास-5अंक, संगोष्ठी-5अंक, मौखिकपरीक्षा-5अंक, उपस्थिति-5अंक)	20	1



 K ✓ 
 32 ✓ 
 28/3/18 

द्वितीय पत्र
जैनदर्शन के प्रमुख सिद्धांत

द्वितीयपत्रम्		जैनदर्शन के प्रमुख सिद्धांत	Code -961
इकाई	विषयः	अंक: 80+20 =100	क्रेडिट(5+1=6)
1.	रत्नवय- मोक्षमार्ग • सम्यग्दर्शन का स्वरूप, भेद-प्रभेद • सम्यग्ज्ञान का स्वरूप, भेद-प्रभेद • सम्यग्चारित्र का स्वरूप, भेद प्रभेद	16	1
2.	ज्ञान मीमांसा (आधारभूतग्रन्थ ,प्रत्यक्ष -परोक्ष ज्ञान)	16	1
3.	• तत्त्वमीमांसा (आधारभूत ग्रन्थ ,सात तत्त्व ,नौ पदार्थ) • द्रव्यमीमांसा (आधारभूत ग्रन्थ ,सत्ता का स्वरूप ,षड्द्रव्य विवेचन)	16	1
4.	आचारमीमांसा • श्रावकाचार-बारह व्रत , षडावश्यक, सल्लेखना /संथारा • श्रमणाचार- अट्टाइस मूलगुण ,बार्डस परिषहजय	16	1
5.	• अनेकांत का स्वरूप ,भेद-प्रभेद • स्याद्वाद का स्वरूप • सप्तभंग का स्वरूप • नय का सिद्धांत (निश्चय नय और व्यवहार नय)	16	1
6.	आंतरिकमूल्यांकन (प्राकृतगाथा-संस्कृतक्षोकोच्चारण अभ्यास-5 अंक, संगोष्ठी-5 अंक, मौखिकपरीक्षा-5 अंक, उपस्थिति-5 अंक.)	20	1

सन्दर्भग्रन्थाः -

1. जैन धर्म - डॉ कैलाशचन्द्र शास्त्री, प्रकाशक - श्री दिग्म्बर जैन संघ मथुरा, शान्तिसागर 'छाणी' स्मृति ग्रन्थमाला, प्रथम तल, 247, दिल्ली रोड, मेरठ

2. जैन धर्म और दर्शन- मुनि प्रमाणसागर जी, प्रकाशक- रोजपाल एण्ड संस, कश्मीरी गेट, दिल्ली

3. जैन दर्शन मनन और मीमांसा- आचार्य महाप्रज्ञ, प्रकाशक- आदर्श साहित्य संघ, चुरू (राज.)

4. जैन दर्शन - डॉ. महेंद्र कुमार न्यायाचार्य, श्री गणेशवर्णी शोध संस्थान, वाराणसी

5. परमभाव प्रकाशक नयचक्र- डॉ. हुक्मचंद भारिल्ल, टोडरमल स्मारक, बापू नगर, जयपुर

35
28/3/18

अप्रैल 2018

N

Q